प्रदेश को मिलेंगे दो और लिंक एक्सप्रेसवे

- राज्य सरकार बजट में कर सकती है घोषणा, बुंदेलखंड में होगा निर्माण
- डिफेंस कारिडोर को गति देने की मंशा भूमि के बड़े हिस्से का आवंटन बाकी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : योगी सरकार प्रदेश को दो और लिंक एक्सप्रेसवे का उपहार देगी। यह दोनों लिंक एक्सप्रेसवे बुंदेलखंड में विकसित किये जाएंगे। शासन स्तर पर इस पर विचार विमर्श जारी है। राज्य सरकार अगले वित्तीय वर्ष के बजट में दोनों लिंक एक्सप्रेसवे के निर्माण की घोषणा कर सकती है।

इनमें से एक लिंक एक्सप्रेसवे बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे को झांसी से जोड़ेगा। झांसी बुंदेलखंड का सबसे बड़ा शहर ही नहीं, उप्र डिफेंस इंडस्ट्रियल कारिडोर का एक नोड भी है। बुंदेलखंड अभी झांसी से होकर नहीं गुजरता है। वहीं झांसी नोड में डिफेंस कारिडोर के लिए अर्जित की गई भूमि का बड़ा हिस्सा अभी अनावंटित हैं। इसलिए राज्य सरकार बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे को झांसी से जोड़ने पर विचार कर रही है ताकि इसके माध्यम से डिफेंस कारिडोर के झांसी नोड तक निवेशकों की पहुंच को सुगम बनाया जा सके। इसलिए बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे को लिंक एक्सप्रेसवे के जरिये झांसी में राष्ट्रीय राजमार्ग-27 से जोड़ने की योजना पर मंथन हो रहा है। इस लिंक एक्सप्रेसवे की लंबाई लगभग 90 किमी. होगी।

दूसरा लिंक एक्सप्रेसवे लगभग 20 किमी. लंबा होगा जो बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे को चित्रकूट शहर से जोड़ेगा। इसका निर्माण होने पर बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे डिफेंस कारिडोर के चित्रकूट नोड से जुड़ जाएगा। इटावा में गंगा एक्सप्रेसवे के पास बकेवर से शुरू होने वाला बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे चित्रकूट में भरतकूप पर समाप्त होता है। सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दोनों लिंक एक्सप्रेसवे परियोजनाओं की प्री-फीजिबिलिटी स्टडी कराने का निर्देश दिया है। प्रदेश में अभी तक यमुना एक्सप्रेसवे, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे और बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे का निर्माण हो चुका है। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। वहीं गंगा एक्सप्रेसवे का निर्माण जारी है।